इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

शिक्षा विद्यापीठ

स्नातकोत्तर कला (शिक्षा)

जुलाई 2024 के लिए नियतकार्य

विशिष्ट क्षेत्र : दूरस्थ शिक्षा

(संशोधित)

एम.ई.एस.–211 दूरस्थ शिक्षा का विकास और दर्शन

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के अर्थ और विशेषताओं की व्याख्या कीजिए। दूरस्थ शिक्षा ने भारत में उच्च शिक्षा पद्धति के विकास में किस प्रकार योगदान किया है? संक्षेप में परिचर्चा कीजिए।

2. चार्ल्स ए. वेडमेयर ने अपने 'स्वतंत्र अध्ययन' के सिद्धान्त में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा की अवधारणा की व्याख्या किस प्रकार की है? परिचर्चा कीजिए।

3. क्या दूरस्थ शिक्षा एक शास्त्र है? अपने उत्तर को न्यायोचित ठहराइये।

(कृ.पृ.उ.)

एम.ई.एस.–212 : निर्देशनात्मक डिज़ाइन

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिएः

1. रचनावाद की अवधारणा और महत्वपूर्ण विशेषताओं की व्याख्या कीजिए। दूरस्थ शिक्षा निर्देशनात्मक सामग्रियों के डिज़ाइन में रचनावाद का अनुप्रयोग किस प्रकार किया जा सकता है? परिचर्चा कीजिए।

2. चार घटक निर्देशनात्मक डिज़ाइन प्रतिमान (4 सी/आई डी माडल) का क्या अर्थ है? 4 सी/आई डी माडल का प्रयोग करते हुए दूरस्थ शिक्षा सामग्रियों के लिए निर्देशन की डिज़ाइन तैयार करते समय आप किन क्रियाकलापों को करेंगे वर्णन कीजिए। एक उदाहरण दीजिए।

3. मान लीजिए आप दूरस्थ शिक्षा शिक्षकों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन करना चाहते हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए प्रशिक्षण योजना की डिज़ाइन तैयार करते समय आप किन कदमों का अनुपालन करेंगे? वर्णन कीजिए।

एम.ई.एस.–213 : शिक्षार्थी सहायता पद्धतियाँ और सेवायें

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिएः

1. मुक्त एवं दूरस्थ अधिगम विधि द्वारा शैक्षिक कार्यक्रम जारी रखते समय शिक्षार्थियों के लिए उनके अधिगम के विभिन्न चरणों में आवश्यक सहायता सेवाओं के महत्व के साथ–साथ सहायता सेवाओं की परिचर्चा कीजिए।

2. दूरस्थ शिक्षा पद्धति में शिक्षार्थियों के लिए प्रदान की जाने वाली परामर्श सेवाओं के विभिन्न रूपों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

3. नियतकार्यों के मूल्यांकन में शैक्षिक परामर्शदाताओं द्वारा प्रयोग की जाने वाली विभिन्न प्रकार की अनुशिक्षक टिप्पणियों और शिक्षार्थियों के लिए उनके महत्व का वर्णन कीजिए। किन प्रकार की टिप्पणियों को आप प्रभावी मानते हैं और क्यों?

एम.ई.एस.–214 दूरस्थ शिक्षा का प्रबन्धन

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. कार्यक्रमों और पाठ्यचर्या और विद्यार्थी सेवाओं के प्रबन्धन के विशेष सन्दर्भ में शैक्षिक संस्थान के शैक्षिक प्रबन्धन का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए।

2. भारत में विश्वविद्यालयों के विशिष्ट प्रकार्यों के अनुसार उनकी भूमिका का वर्णन कीजिए।
3. इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के विज़न और संगठनात्मक ढाँचे और इसकी भूमिका का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए।

एम.ई.एस.–215 : शैक्षिक संचार प्रौद्योगिकियाँ

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए:

1. दूरस्थ शिक्षा पद्धति में प्रयोग किये जाने वाले मुद्रित (प्रिन्टेड) और गैर मुद्रित (नान–प्रिन्टेड) माध्यमों (मीडिया) का वर्णन कीजिए। इन माध्यमों की गुणों/ विशेषताओं (मेरिट) और सीमाओं का उल्लेख कीजिए।

2. अन्तः क्रियात्मक रेडियो (इन्टरैक्टिव रेडियो) की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। दूरस्थ शिक्षा पद्धति में आडियो कान्फरेंसिंग के लिए रेडियो का प्रयोग किस प्रकार किया जा सकता है? उपयुक्त उदाहरणों द्वारा व्याख्या कीजिए।

3. दूरस्थ शिक्षा में वीडियो उत्पादन (प्रोडक्शन) के विभिन्न चरणों में शामिल प्रक्रियाओं का संक्षेप में वर्णन कीजिए, जैसे कि पूर्व–उत्पादन (प्री–प्रोडक्शन), उत्पादन (प्रोडक्शन) और पश्च–उत्पादन (पोस्ट–प्रोडक्शन)।

****